



was es denn nützlich, so viele Gleichnisse anzuwenden? & hatte ja auch mit das eine genügt, die  
Welt gleich dem Erwo Sabbos, die Könige dem Sabbos, was am Erwo Sabbos nichts vorbereitet, der wenn  
dann am Sabbos Hunger leiden? Aber diese Gleichnisse passen nicht auf einen Mann; viele würden es gar  
nicht begreifen und würden sich fragen: warum soll man am Sabbos nicht zu essen haben, der am Erwo  
Sabbos nicht vorbereitet hat, in Heipal gibt es sehr wenige solche, die am Erwo Sabbos vorbereitet sind  
und sich nicht am Sabbos hungert. Da wird sich für die Heipaler ein anderes Gleichnis zeigen  
müssen, das Gleichnis vom trockenen Feld und dem Meere, das werden wir verstehen, denn hier gibt  
viele solche, die eine überseeische Fahrt unternommen haben und wissen genau, wie man sich auf  
dem Meere befindet; aber gerade diese werden Einspruch gegen das Gleichnis erheben, und werden sagen:  
es ist absolut nicht nöthig, sich vorzusehen, denn auf einem modernen Dampfer ist man schon ganz  
sicher versorgt. Da wird sich ein drittes Gleichnis zeigen müssen, das weder Sommer und Winter, aber auch  
das werden wir nicht begreifen, denn wir sind kein Ackerbau treibendes Volk, wir haben dafür  
keinen Samen und kein Zubehör, wenn angebaut und wenn geerntet wird, Gewerbetreibende und Hand-  
werker haben ein anderes Lebensinteresse und die heutigen Verkehrsmittel führen uns halbtags zu  
wofern die Erde sonst noch so schlecht war. Das weitere Gleichnis vom Varrinner und Empfänger  
wird auch nicht einmündig, eben verständlich sein, denn die meisten Wohnungen hier ist Varrinner und Sal-  
ein, und das selbe Geschick, - was werden uns dann alle diese Gleichnisse nützen? Worüber wollen  
sie uns belehren, wenn sie nicht alle Menschen gleichmäßig belehren können? - M. A. der Wirt  
(Voll. Zeit. (Dau. Eliv. v. Tenach) sagt <sup>712</sup> 31. 711 10 12 711 11. 711 12 711 13 711 14 711 15 711 16 711 17 711 18 711 19 711 20 711 21 711 22 711 23 711 24 711 25 711 26 711 27 711 28 711 29 711 30 711 31 711 32 711 33 711 34 711 35 711 36 711 37 711 38 711 39 711 40 711 41 711 42 711 43 711 44 711 45 711 46 711 47 711 48 711 49 711 50 711 51 711 52 711 53 711 54 711 55 711 56 711 57 711 58 711 59 711 60 711 61 711 62 711 63 711 64 711 65 711 66 711 67 711 68 711 69 711 70 711 71 711 72 711 73 711 74 711 75 711 76 711 77 711 78 711 79 711 80 711 81 711 82 711 83 711 84 711 85 711 86 711 87 711 88 711 89 711 90 711 91 711 92 711 93 711 94 711 95 711 96 711 97 711 98 711 99 711 100 711 101 711 102 711 103 711 104 711 105 711 106 711 107 711 108 711 109 711 110 711 111 711 112 711 113 711 114 711 115 711 116 711 117 711 118 711 119 711 120 711 121 711 122 711 123 711 124 711 125 711 126 711 127 711 128 711 129 711 130 711 131 711 132 711 133 711 134 711 135 711 136 711 137 711 138 711 139 711 140 711 141 711 142 711 143 711 144 711 145 711 146 711 147 711 148 711 149 711 150 711 151 711 152 711 153 711 154 711 155 711 156 711 157 711 158 711 159 711 160 711 161 711 162 711 163 711 164 711 165 711 166 711 167 711 168 711 169 711 170 711 171 711 172 711 173 711 174 711 175 711 176 711 177 711 178 711 179 711 180 711 181 711 182 711 183 711 184 711 185 711 186 711 187 711 188 711 189 711 190 711 191 711 192 711 193 711 194 711 195 711 196 711 197 711 198 711 199 711 200 711 201 711 202 711 203 711 204 711 205 711 206 711 207 711 208 711 209 711 210 711 211 711 212 711 213 711 214 711 215 711 216 711 217 711 218 711 219 711 220 711 221 711 222 711 223 711 224 711 225 711 226 711 227 711 228 711 229 711 230 711 231 711 232 711 233 711 234 711 235 711 236 711 237 711 238 711 239 711 240 711 241 711 242 711 243 711 244 711 245 711 246 711 247 711 248 711 249 711 250 711 251 711 252 711 253 711 254 711 255 711 256 711 257 711 258 711 259 711 260 711 261 711 262 711 263 711 264 711 265 711 266 711 267 711 268 711 269 711 270 711 271 711 272 711 273 711 274 711 275 711 276 711 277 711 278 711 279 711 280 711 281 711 282 711 283 711 284 711 285 711 286 711 287 711 288 711 289 711 290 711 291 711 292 711 293 711 294 711 295 711 296 711 297 711 298 711 299 711 300 711 301 711 302 711 303 711 304 711 305 711 306 711 307 711 308 711 309 711 310 711 311 711 312 711 313 711 314 711 315 711 316 711 317 711 318 711 319 711 320 711 321 711 322 711 323 711 324 711 325 711 326 711 327 711 328 711 329 711 330 711 331 711 332 711 333 711 334 711 335 711 336 711 337 711 338 711 339 711 340 711 341 711 342 711 343 711 344 711 345 711 346 711 347 711 348 711 349 711 350 711 351 711 352 711 353 711 354 711 355 711 356 711 357 711 358 711 359 711 360 711 361 711 362 711 363 711 364 711 365 711 366 711 367 711 368 711 369 711 370 711 371 711 372 711 373 711 374 711 375 711 376 711 377 711 378 711 379 711 380 711 381 711 382 711 383 711 384 711 385 711 386 711 387 711 388 711 389 711 390 711 391 711 392 711 393 711 394 711 395 711 396 711 397 711 398 711 399 711 400 711 401 711 402 711 403 711 404 711 405 711 406 711 407 711 408 711 409 711 410 711 411 711 412 711 413 711 414 711 415 711 416 711 417 711 418 711 419 711 420 711 421 711 422 711 423 711 424 711 425 711 426 711 427 711 428 711 429 711 430 711 431 711 432 711 433 711 434 711 435 711 436 711 437 711 438 711 439 711 440 711 441 711 442 711 443 711 444 711 445 711 446 711 447 711 448 711 449 711 450 711 451 711 452 711 453 711 454 711 455 711 456 711 457 711 458 711 459 711 460 711 461 711 462 711 463 711 464 711 465 711 466 711 467 711 468 711 469 711 470 711 471 711 472 711 473 711 474 711 475 711 476 711 477 711 478 711 479 711 480 711 481 711 482 711 483 711 484 711 485 711 486 711 487 711 488 711 489 711 490 711 491 711 492 711 493 711 494 711 495 711 496 711 497 711 498 711 499 711 500 711 501 711 502 711 503 711 504 711 505 711 506 711 507 711 508 711 509 711 510 711 511 711 512 711 513 711 514 711 515 711 516 711 517 711 518 711 519 711 520 711 521 711 522 711 523 711 524 711 525 711 526 711 527 711 528 711 529 711 530 711 531 711 532 711 533 711 534 711 535 711 536 711 537 711 538 711 539 711 540 711 541 711 542 711 543 711 544 711 545 711 546 711 547 711 548 711 549 711 550 711 551 711 552 711 553 711 554 711 555 711 556 711 557 711 558 711 559 711 560 711 561 711 562 711 563 711 564 711 565 711 566 711 567 711 568 711 569 711 570 711 571 711 572 711 573 711 574 711 575 711 576 711 577 711 578 711 579 711 580 711 581 711 582 711 583 711 584 711 585 711 586 711 587 711 588 711 589 711 590 711 591 711 592 711 593 711 594 711 595 711 596 711 597 711 598 711 599 711 600 711 601 711 602 711 603 711 604 711 605 711 606 711 607 711 608 711 609 711 610 711 611 711 612 711 613 711 614 711 615 711 616 711 617 711 618 711 619 711 620 711 621 711 622 711 623 711 624 711 625 711 626 711 627 711 628 711 629 711 630 711 631 711 632 711 633 711 634 711 635 711 636 711 637 711 638 711 639 711 640 711 641 711 642 711 643 711 644 711 645 711 646 711 647 711 648 711 649 711 650 711 651 711 652 711 653 711 654 711 655 711 656 711 657 711 658 711 659 711 660 711 661 711 662 711 663 711 664 711 665 711 666 711 667 711 668 711 669 711 670 711 671 711 672 711 673 711 674 711 675 711 676 711 677 711 678 711 679 711 680 711 681 711 682 711 683 711 684 711 685 711 686 711 687 711 688 711 689 711 690 711 691 711 692 711 693 711 694 711 695 711 696 711 697 711 698 711 699 711 700 711 701 711 702 711 703 711 704 711 705 711 706 711 707 711 708 711 709 711 710 711 711 712 711 713 711 714 711 715 711 716 711 717 711 718 711 719 711 720 711 721 711 722 711 723 711 724 711 725 711 726 711 727 711 728 711 729 711 730 711 731 711 732 711 733 711 734 711 735 711 736 711 737 711 738 711 739 711 740 711 741 711 742 711 743 711 744 711 745 711 746 711 747 711 748 711 749 711 750 711 751 711 752 711 753 711 754 711 755 711 756 711 757 711 758 711 759 711 760 711 761 711 762 711 763 711 764 711 765 711 766 711 767 711 768 711 769 711 770 711 771 711 772 711 773 711 774 711 775 711 776 711 777 711 778 711 779 711 780 711 781 711 782 711 783 711 784 711 785 711 786 711 787 711 788 711 789 711 790 711 791 711 792 711 793 711 794 711 795 711 796 711 797 711 798 711 799 711 800 711 801 711 802 711 803 711 804 711 805 711 806 711 807 711 808 711 809 711 810 711 811 711 812 711 813 711 814 711 815 711 816 711 817 711 818 711 819 711 820 711 821 711 822 711 823 711 824 711 825 711 826 711 827 711 828 711 829 711 830 711 831 711 832 711 833 711 834 711 835 711 836 711 837 711 838 711 839 711 840 711 841 711 842 711 843 711 844 711 845 711 846 711 847 711 848 711 849 711 850 711 851 711 852 711 853 711 854 711 855 711 856 711 857 711 858 711 859 711 860 711 861 711 862 711 863 711 864 711 865 711 866 711 867 711 868 711 869 711 870 711 871 711 872 711 873 711 874 711 875 711 876 711 877 711 878 711 879 711 880 711 881 711 882 711 883 711 884 711 885 711 886 711 887 711 888 711 889 711 890 711 891 711 892 711 893 711 894 711 895 711 896 711 897 711 898 711 899 711 900 711 901 711 902 711 903 711 904 711 905 711 906 711 907 711 908 711 909 711 910 711 911 711 912 711 913 711 914 711 915 711 916 711 917 711 918 711 919 711 920 711 921 711 922 711 923 711 924 711 925 711 926 711 927 711 928 711 929 711 930 711 931 711 932 711 933 711 934 711 935 711 936 711 937 711 938 711 939 711 940 711 941 711 942 711 943 711 944 711 945 711 946 711 947 711 948 711 949 711 950 711 951 711 952 711 953 711 954 711 955 711 956 711 957 711 958 711 959 711 960 711 961 711 962 711 963 711 964 711 965 711 966 711 967 711 968 711 969 711 970 711 971 711 972 711 973 711 974 711 975 711 976 711 977 711 978 711 979 711 980 711 981 711 982 711 983 711 984 711 985 711 986 711 987 711 988 711 989 711 990 711 991 711 992 711 993 711 994 711 995 711 996 711 997 711 998 711 999 711 1000 711 1001 711 1002 711 1003 711 1004 711 1005 711 1006 711 1007 711 1008 711 1009 711 1010 711 1011 711 1012 711 1013 711 1014 711 1015 711 1016 711 1017 711 1018 711 1019 711 1020 711 1021 711 1022 711 1023 711 1024 711 1025 711 1026 711 1027 711 1028 711 1029 711 1030 711 1031 711 1032 711 1033 711 1034 711 1035 711 1036 711 1037 711 1038 711 1039 711 1040 711 1041 711 1042 711 1043 711 1044 711 1045 711 1046 711 1047 711 1048 711 1049 711 1050 711 1051 711 1052 711 1053 711 1054 711 1055 711 1056 711 1057 711 1058 711 1059 711 1060 711 1061 711 1062 711 1063 711 1064 711 1065 711 1066 711 1067 711 1068 711 1069 711 1070 711 1071 711 1072 711 1073 711 1074 711 1075 711 1076 711 1077 711 1078 711 1079 711 1080 711 1081 711 1082 711 1083 711 1084 711 1085 711 1086 711 1087 711 1088 711 1089 711 1090 711 1091 711 1092 711 1093 711 1094 711 1095 711 1096 711 1097 711 1098 711 1099 711 1100 711 1101 711 1102 711 1103 711 1104 711 1105 711 1106 711 1107 711 1108 711 1109 711 1110 711 1111 711 1112 711 1113 711 1114 711 1115 711 1116 711 1117 711 1118 711 1119 711 1120 711 1121 711 1122 711 1123 711 1124 711 1125 711 1126 711 1127 711 1128 711 1129 711 1130 711 1131 711 1132 711 1133 711 1134 711 1135 711 1136 711 1137 711 1138 711 1139 711 1140 711 1141 711 1142 711 1143 711 1144 711 1145 711 1146 711 1147 711 1148 711 1149 711 1150 711 1151 711 1152 711 1153 711 1154 711 1155 711 1156 711 1157 711 1158 711 1159 711 1160 711 1161 711 1162 711 1163 711 1164 711 1165 711 1166 711 1167 711 1168 711 1169 711 1170 711 1171 711 1172 711 1173 711 1174 711 1175 711 1176 711 1177 711 1178 711 1179 711 1180 711 1181 711 1182 711 1183 711 1184 711 1185 711 1186 711 1187 711 1188 711 1189 711 1190 711 1191 711 1192 711 1193 711 1194 711 1195 711 1196 711 1197 711 1198 711 1199 711 1200 711 1201 711 1202 711 1203 711 1204 711 1205 711 1206 711 1207 711 1208 711 1209 711 1210 711 1211 711 1212 711 1213 711 1214 711 1215 711 1216 711 1217 711 1218 711 1219 711 1220 711 1221 711 1222 711 1223 711 1224 711 1225 711 1226 711 1227 711 1228 711 1229 711 1230 711 1231 711 1232 711 1233 711 1234 711 1235 711 1236 711 1237 711 1238 711 1239 711 1240 711 1241 711 1242 711 1243 711 1244 711 1245 711 1246 711 1247 711 1248 711 1249 711 1250 711 1251 711 1252 711 1253 711 1254 711 1255 711 1256 711 1257 711 1258 711 1259 711 1260 711 1261 711 1262 711 1263 711 1264 711 1265 711 1266 711 1267 711 1268 711 1269 711 1270 711 1271 711 1272 711 1273 711 1274 711 1275 711 1276 711 1277 711 1278 711 1279 711 1280 711 1281 711 1282 711 1283 711 1284 711 1285 711 1286 711 1287 711 1288 711 1289 711 1290 711 1291 711 1292 711 1293 711 1294 711 1295 711 1296 711 1297 711 1298 711 1299 711 1300 711 1301 711 1302 711 1303 711 1304 711 1305 711 1306 711 1307 711 1308 711 1309 711 1310 711 1311 711 1312 711 1313 711 1314 711 1315 711 1316 711 1317 711 1318 711 1319 711 1320 711 1321 711 1322 711 1323 711 1324 711 1325 711 1326 711 1327 711 1328 711 1329 711 1330 711 1331 711 1332 711 1333 711 1334 711 1335 711 1336 711 1337 711 1338 711 1339 711 1340 711 1341 711 1342 711 1343 711 1344 711 1345 711 1346 711 1347 711 1348 711 1349 711 1350 711 1351 711 1352 711 1353 711 1354 711 1355 711 1356 711 1357 711 1358 711 1359 711 1360 711 1361 711 1362 711 1363 711 1364 711 1365 711 1366 711 1367 711 1368 711 1369 711 1370 711 1371 711 1372 711 1373 711 1374 711 1375 711 1376 711 1377 711 1378 711 1379 711 1380 711 1381 711 1382 711 1383 711 1384 711 1385 711 1386 711 1387 711 1388 711 1389 711 1390 711 1391 711 1392 711 1393 711 1394 711 1395 711 1396 711 1397 711 1398 711 1399 711 1400 711 1401 711 1402 711 1403 711 1404 711 1405 711 1406 711 1407 711 1408 711 1409 711 1410 711 1411 711 1412 711 1413 711 1414 711 1415 711 1416 711 1417 711 1418 711 1419 711 1420 711 1421 711 1422 711 1423 711 1424 711 1425 711 1426 711 1427 711 1428 711 1429 711 1430 711 1431 711 1432 711 1433 711 1434 711 1435 711 1436 711 1437 711 1438 711 1439 711 1440 711 1441 711 1442 711 1443 711 1444 711 1445 711 1446 711 1

Nachheiten der körperlichen Leiden schreien wirkungsvoll sprechen sollen, wenn die Herren Landleute  
den die Worte zu verstehen? Wer den Mauth Ninn nicht begreift, der begreift auch deutlicher nicht  
mir was die Lehren des Mauth Ninn verinnerlicht hat, mir der Mann der Segnungen des Mauth Tischer  
kuffig werden, denn 10012 714... wer das Licht des Lebens in der Doffierung von den bösen Feinde des  
Schöpfers nicht, 1012 714... dem bringt der Tag der göttlichen Gerichte der helle Licht der göttlichen  
1111... der Fehler lag nicht an K. Elarar b. Aethy... sondern an denen, die in kindliches Zige-  
thauheit seinen Worten geblüht, sie aber nicht begreifen haben; seine Doffierung, seine Worte ver-  
stehen nicht zu können, denn die Herren waren in Eig. erfüllt. Und ich dem keine andere  
Früher waren solche solche Zündstötchen in Gebrauch, welche man wo immer hat anreiben können,  
da hat man schwarz, hingegen heute sind mit solche Zündstötchen im Umlauf, welche man an be-  
sonderten geeigneten Reibflächen aufstecken werden können; hat man diese Reibfläche nicht, so  
mag man noch so viel Zündholz betreten, man mag sie noch so viel reiben, sie werden nicht  
danzel, früher hat man noch den jüdischen Sinn gehabt, da hatte man sich in den Tagen der Mühe dem  
Ewigen genähert, in anfruchtiges Reies baute man die Leiden schreien an den Herren, wobei das  
Wort der Anfruchtigung zur Mühe gefallen war, da hat es überall geründel - aber heute? Wo  
findet heute der Zündstoff die geeignete Herrenfläche, um die Flamme der Doffierung für Gott  
und ewige Seligkeit hervorzurufen? 1111... Ach wären doch die Menschen weise  
und würden sich der Erde erzeigen! Das Ende, das ja gewiss kommen wird, früher, als sie es ahnen,  
früher, als sie es zu wünschen, und da werden sie vergeblich jammern "naly, naly" über Allwissenden  
Gott, gewähre uns nach einer Anfruchtigung, lass' uns Mühe thun! Es wird zu spät. Gott wird Erde erzei-  
gen: Auf dem Sabbath müß man sich vorbereiten, wenn man die Ruhe des Sabbathes genießen will,  
auf dem trocknen Festland hast du dich sicher gefühlt und hast Gottes gepöppelt, beim Gebete  
verpönt, und jetzt wo die Wellen dich umspülen, jetzt rüßst du Gott an? Wer in der Sommerzeit  
da irgend den Acker seines Herraus mit der Heiligkeit des Glaubens nicht bestellt hat, der kann  
in den Wintermonaten der Freisundheit nicht überlegt dem Erde entgegenstehen, und wer die Vor-  
höfe des Ewigen, die Lehr- und Doffierung Gottes genährt hat, der kann in das ewige Gemach  
der Seligkeit hinein zuhelfen haben. Bedenke doch, das die Menschheit, das erhabene Geschöpf  
auf Erden, und doch der jammervollste Geschöpf, welchen Gott daraufhin angewiesen hat 1111...  
ein Anzeichen zu geben, bei dem würdigsten aller Geschöpfe die Raths zu holen, um auch für die Doffierung  
zu sorgen, für die Doffierung, wo du vor Gott erscheinen wirst und Rechenschaft abgeben wirst  
über all dein Thun und Lassen. 1111... Nehmt es die Herren, bestreut Euch zu Gott  
anfruchtige Mühe die Doffierung eure innere Wesen, wendet weise, erwägt das Ende,  
damit eure Ritten nicht werden und eure Flehen die Gunstbewehrung Gottes erwirken können:  
so die Vertrieben sind die Sünden, irdische und ewige Seligkeit wartet Eures in der Doffierung  
ausere

RABBI-HIVATAL UJPESTEN.

Kezveletten 14/IX 1912

Dr. P. P.

SZ.

MAGYAR  
TUDOMÁNYOS AKADEMIA  
KÖNYVTÁRA

Ven 131029